

साईं तेरी लीला  
साईं तेरी लीला कभी  
समझ ना पाऊ मैं  
तेरे चरणों में सदा  
शीश झुकाओ मैं (२)

पानी से भी तुने दीप जलाये है  
नीम के पत्ते तुने मीठे बनाये है(२)  
तेरी महमि कैसे गुणगान गाऊ मैं  
तेरी नाम वाली सदा जोत जलाऊ मैं  
साईं तेरी लीला कभी  
समझ ना पाऊ मैं  
तेरे चरणों में सदा  
शीश झुकाओ मैं

कहाँ तुम पैदा हुए  
कौन माँ बाप साईं  
सारी दुनिया ना  
अभी ताक ये जान पाई  
हट्टी हो ना मुसलमि  
सःक हो ना इशाई  
(२)सभी धर्मो में है  
समाये मेरे बाबा साईं(२)

जनूनत से प्यारी तेरी शरिडी ही जाऊ मैं  
तेरी नाम की वभूतमाथे पे लगाऊ मैं  
साईं तेरी लीला कभी  
समझ ना पाऊ मैं  
तेरे चरणों में सदा  
शीश झुकाओ मैं

बनके फकीर बाबा घर घर माँगा तुने  
लेके वषि दुनिया से अमृत बाटा तुने  
दनिदुखियों का दुःख अपना ही जाना तुने  
(२)सारा संसार साईं अपना ही माना तुने (२)

तुझसा दयालु कही ढूँढ ना पाऊ मैं  
तेरी करुना के गीत सबको सुनाऊ मैं  
साईं तेरी लीला कभी  
समझ ना पाऊ मैं  
तेरे चरणों में सदा  
शीश झुकाओ मैं

साईं तेरा जीवन भी कतिना महान है  
चरणों में तेरे सारा झुकता जहान है  
कसि चान है

(२)बाबा तेरी शक्तिपे राणा कुरबान है(२)

तुझसे बहिड़ कर ना कभी रह पाऊ में  
तेरा बस तेरा बस तेरा ही होजाऊ मैं  
पानी से भी तुने दीप जलाये है  
नीम के पत्ते तुने मीठे बनाये है  
तेरी महमिा कैसे गुणगान गाऊ मैं  
तेरी नाम वाली सदा जोत जलाऊ मैं  
साई तेरी लीला कभी  
समझ ना पाऊ मैं  
तेरे चरणों में सदा  
शीश झुकाओ मैं (२)

पानी से भी तुने दीप जलाये है  
नीम के पत्ते तुने मीठे बनाये है(२)  
तेरी महमिा कैसे गुणगान गाऊ मैं  
तेरी नाम वाली सदा जोत जलाऊ मैं  
साई तेरी लीला कभी  
समझ ना पाऊ मैं  
तेरे चरणों में सदा  
शीश झुकाओ मैं

कहाँ तुम पैदा हुए  
कौन माँ बाप साई  
सारी दुनिया ना  
अभी ताक ये जान पाई  
हदू हो ना मुस्लमि  
सऱिक हो ना इशाई  
(२)सभी धर्मो में है  
समाये मेरे बाबा साई(२)

जनूनत से प्यारी तेरी शरिडी ही जाऊ में  
तेरी नाम की वभूतऱिमाथे पे लगाऊ मैं  
साई तेरी लीला कभी  
समझ ना पाऊ मैं  
तेरे चरणों में सदा  
शीश झुकाओ मैं

बनके फकीर बाबा घर घर माँगा तुने  
लेके वषि दुनिया से अमृत बाटा तुने  
दनिदुखरिओं का दुःख अपना ही जाना तुने  
(२)सारा संसार साई अपना ही माना तुने (२)

तुझसा दयालु कही दूँड ना पाऊ में  
तेरी करुना के गीत सबको सुनाऊ मैं

समझ ना पाऊ मैं  
तेरे चरणों में सदा  
शीश झुकाओ मैं

साईं तेरा जीवन भी कतिना महान है  
चरणों में तेरे सारा झुकता जहान है  
कसिके है भाव कैसे तुने पहचान है  
(२)बाबा तेरी शक्ति पे राणा कुरबान है(२)

तुझसे बहिड़ कर ना कभी रह पाऊ मैं  
तेरा बस तेरा बस तेरा ही होजाऊ मैं  
पानी से भी तुने दीप जलाये है  
नीम के पत्ते तुने मीठे बनाये है  
तेरी महमिा कैसे गुणगान गाऊ मैं  
तेरी नाम वाली सदा जोत जलाऊ मैं